

रहते हो आप हे बजरंग राम जी के पाँव में भजन लिरिक्स



रहते हो आप हे बजरंग,
राम जी के पाँव में,
हमको भी चरणों से,
लगाए रखना,
हमको भी चरणों से,
लगाए रखना,
हनुमान, हनुमान,
हनुमान, हनुमान lbd।

[तर्ज - ले तो आए हो।](#)

सागर को फाँदे,
पल में लंका जलाए,
माता सीता का पता,
जा कर लगाए,
तेरे सिवा, तेरे सिवा,
कोई वीर नहीं,
रहते हो मात सिया की,
ममता की छाव में,
हमको भी चरणों से,
लगाए रखना,
हनुमान, हनुमान,
हनुमान, हनुमान lbd।

लक्ष्मण के प्राणो पे,
जो विपदा थी आई,
पर्वत उठा के लाए,
बूटी पिलाई,
जाग उठे, जाग उठे,
देखो वीर बलि,
जान लगा दी तुमने,
भक्ति के दाव में,
भक्ति में हमको भी,
लगाए रखना,
हनुमान, हनुमान,
हनुमान, हनुमान lbd।



सीने में जिनके,
सियाराम जी बसते हैं,
मंगल मूर्ति सदा,
मंगल ही करते हैं,
करता रहे, करता रहे,
ये 'विजय' तेरा ध्यान,
रखना सेवा को बजरंग,
तेरी ही पनाह में,
भक्ति की ज्योत,
जलाए रखना,
हनुमान, हनुमान,
हनुमान, हनुमान।

रहते हो आप हे बजरंग,
राम जी के पाँव में,
हमको भी चरणों से,
लगाए रखना,
हमको भी चरणों से,
लगाए रखना,
हनुमान, हनुमान,
हनुमान, हनुमान।

Singer – Sewa Singh Ji
